नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

टैरिफ डील : भारत को सतर्क रहना होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के बीच टैरिफ को लेकर छिड़ी कानूनी जंग ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से यह स्पष्ट कर दिया कि 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट' के तहत व्यापक वैश्विक टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास नहीं, बल्कि कांग्रेस के पास है. यह फैसला केवल कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि अमेरिकी सत्ता-संतुलन की पुनर्पुष्टि है. किन्तु ट्रंप की प्रतिक्रिया ने यह संकेत दिया है कि उनके लिए संस्थागत मर्यादाएं अंतिम शब्द नहीं हैं. अदालत के निर्णय के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने 'ट्रेड एक्ट 1974' की धारा 122 का सहारा लेकर 10 प्रतिशत का नया वैश्विक टैरिफ लागू किया और 24 घंटे के भीतर उसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया. यह त्वरित और आक्रामक निर्णय शैली बताती है कि ट्रंप नीति-निर्माण को स्थिर संस्थागत प्रक्रिया की बजाय राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन का माध्यम मानते हैं.यहीं से भारत सहित विश्व समुदाय के लिए वास्तविक चिंता शुरू होती है. अंतरराष्ट्रीय व्यापार भरोसे और पूर्वानुमान पर टिका होता है. यदि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का राष्ट्रपति अदालत के निर्णयों के बाद भी वैकल्पिक कानूनी रास्ते खोजकर टैरिफ बढ़ा सकता है, तो किसी भी व्यापार समझौते की स्थायित्व पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है. ट्रंप का रिकॉर्ड बताता है कि वे पहले समझौता करते हैं और बाद में राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार उसे बदलने से नहीं हिचकते.

भारत के संदर्भ में स्थिति जटिल है. सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत या उससे अधिक 'रेसिप्रोकल टैरिफ' का खतरा मंडरा रहा था. वह संकट फिलहाल टल गया है. लेकिन 15 प्रतिशत का वैश्विक शुल्क भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है. वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और आईटी-संबद्ध सेवाएं अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं. लागत बढ़ने से प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी.

इस परिप्रेक्ष्य में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या ट्रंप विश्वसनीय साझेदार हैं. हालिया घटनाक्रम संकेत देता है कि उनकी प्राथमिकता घरेलू राजनीतिक संदेश है, न कि दीर्घकालिक वैश्विक प्रतिबद्धता. वे 'अमेरिका फर्स्ट' को किसी भी कीमत पर लागू करने के लिए कानूनी सीमाओं की परिधि तक जाने को तैयार हैं. आज 10 प्रतिशत, कल 15 प्रतिशत, और आवश्यकता पड़ी तो 150 दिनों के बाद नया रास्ता. ऐसी नीति-शैली में स्थायित्व की अपेक्षा करना कठिन है.

भारत को भावनात्मक या तात्कालिक राहत की मानसिकता से बाहर निकलना होगा. यदि 18 प्रतिशत के प्रस्तावित समझौते की तुलना में 15 प्रतिशत कम प्रतीत होता है, तो यह केवल गणितीय सांत्वना है. वास्तविक प्रश्न यह हैं कि छह महीने बाद क्या होगा? क्या कांग्रेस मंजूरी देगी. क्या नया राजनीतिक दबाव पैदा होगा? क्या चुनावी मौसम में फिर टैरिफ हथियार बनेगा?

इसलिए भारत को तीन स्तरों पर तैयारी करनी चाहिए. पहला, अमेरिका के साथ किसी भी व्यापार समझौते में स्पष्ट कानूनी सुरक्षा और विवाद निवारण तंत्र सुनिश्चित करना. दूसरा, निर्यात बाजारों का विविधीकरण तेज करना, विशेषकर यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में. तीसरा, घरेलू विनिर्माण और मांग को सुदृढ़ कर बाहरी झटकों के प्रति लचीलापन बढ़ाना.

ट्रंप की नीतियां बताती हैं कि वे अप्रत्याशित निर्णयों से राजनीतिक लाभ उठाने में विश्वास रखते हैं. ऐसे नेतृत्व के साथ संबंध रखते समय सतर्कता ही सर्वोत्तम कूटनीति है. भारत को यह मानकर चलना होगा कि परिस्थिति कभी भी बदल सकती है. इसलिए हर समझौते के साथ एक वैकल्पिक योजना तैयार रहनी चाहिए. वैश्विक व्यापार की इस उथल-पुथल में रणनीतिक धैर्य और दूर दृष्टि ही भारत की असली ताकत होगी.

एआई समिट में दुनियाभर के दिग्गजों का जमावड़ा

देश के भविष्य के लिए गौरवपूर्ण

दिल्ली में आयोजित एआई समिट को केवल एक तकनीकी सम्मेलन कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा. यह आयोजन उस वैश्विक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत इंग्लैंड और फ्रांस जैसे तकनीकी रूप से परिपक्व देशों से हुई और जिसे दक्षिण कोरिया जैसे नवाचार-केंद्रित राष्ट्रों ने आगे बढ़ाया. इस श्रृंखला में दिल्ली का जुड़ना इस बात का संकेत है कि भारत केवल एआई का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई तंत्र का सक्रिय सहभागी और संभावित नेतृत्वकर्ता बन चुका है. भारत के लिए यह आयोजन इसलिए अहम है क्योंकि यह उसकी तकनीकी और कूटनीतिक दोनों क्षमताओं की स्वीकृति का प्रतीक है. अब तक एआई के वैश्विक विमर्श पर अमेरिका, यूरोप और चीन का वर्चस्व रहा है. ऐसे में दिल्ली में समिट का आयोजन दिखाता है कि भारत को एक 'विश्वसनीय तकनीकी शक्ति' के रूप में स्वीकार किया जा रहा है.

यह वही भारत है, जिसने पिछले दशक में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना-आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर-के माध्यम से दुनिया के सामने एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है. इन प्रणालियों ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत किया. भारत में पहले से ही दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम मौजूद है और एआई-आधारित स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है. नैसकॉम के अनुसार, भारत में एआई से संबंधित स्टार्टअप्स की संख्या 2020 से 2025 के बीच लगभग दोगुनी हो चुकी है. भारत को इस आयोजन से तीन प्रमुख क्षेत्रों में लाभ मिलने की संभावना है-निवेश, नीति निर्माण और वैश्विक प्रभाव, जब वैश्विक निवेशक और तकनीकी कंपनियां किसी देश में इस स्तर की उपस्थिति दर्ज कराती हैं, तो इसका सीधा अर्थ होता है कि वे वहां निवेश की संभावनाएं देख रही हैं. एआई के क्षेत्र में निवेश केवल पूंजी का प्रवाह नहीं लाता, बल्कि इसके साथ तकनीक, विशेषज्ञता और वैश्विक नेटवर्क भी आता है. यदि इस समिट के बाद भारत में एआई अनुसंधान केंद्र, डेटा सेंटर और नवाचार प्रयोगशालाएं स्थापित होती हैं, तो यह भारत की तकनीकी क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है. दूसरा महत्वपूर्ण लाभ है नीति निर्माण में भारत की भूमिका का बढ़ना. एआई नैतिकता, गोपनीयता और रोजगार से भी जुड़ा हुआ है. दुनिया भर में एआई के नियमन को लेकर बहस चल रही है और इस संदर्भ में भारत की आवाज का महत्व बढ़ना स्वाभाविक है. एआई का विकास केवल कॉर्पोरेट हितों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के व्यापक हितों को भी ध्यान में रखे. तीसरा लाभ है वैश्विक प्रभाव और प्रतिष्ठा. आज की दुनिया में तकनीकी शक्ति ही वास्तविक शक्ति का आधार बनती जा रही है. जिस देश के पास एआई और अन्य उन्नत तकनीकों में नेतृत्व होगा, वही भविष्य की वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करेगा. भारत इस वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में एक गंभीर दावेदार बन चुका है. भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस आयोजन के बाद एआई के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जाएं,

इसमें अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाना, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, और उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना शामिल है. भारत के पास प्रतिभा की कमी नहीं है. हर साल लाखों इंजीनियर और तकनीकी विशेषज्ञ देश से निकलते हैं. लेकिन चुनौती यह है कि इन प्रतिभाओं को एआई जैसे उन्नत क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए और उन्हें देश में ही अवसर प्रदान किए जाएं. यदि भारत इस दिशा में सफल होता है, तो वह न केवल एआई का एक प्रमुख केंद्र बन सकता है, बल्कि वैश्विक तकनीकी नेतृत्व में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. भारत के पास यह अवसर है कि वह एआई के विकास का एक ऐसा मॉडल प्रस्तुत करे, जो तकनीकी प्रगति के साथ-साथ सामाजिक न्याय और नैतिक मूल्यों को भी प्राथमिकता दे. यदि भारत इस अवसर को सही दिशा में आगे बढ़ाता है, तो यह समिट भविष्य में उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी, जब भारत ने वैश्विक एआई नेतृत्व की ओर निर्णायक कदम बढ़ाया था. सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि यह समिट कितनी अद्भुत थी, बल्कि यह है कि भारत इसे अपने भविष्य को अद्भुत बनाने के लिए किस तरह उपयोग करता है.

✍ नरेंद्र शर्मा

विंध्य की डायरी

विंध्य के दो निकायों में महापौर-कमिश्नर आमने-सामने

डॉ. रवि तिवारी

शहर के विकास में नगर निगम महापौर और कमिश्नर दोनो महत्वपूर्ण कड़ी होते है. दोनो मिलकर विकास की गाड़ी को आगे ले जाते है. सामूहिक प्रयास से ही विकास की शीर्ष तक पहुंचा जा सकता है पर इस समय विंध्य के दो निकायो में सब कुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है. विंध्य में तीन नगर निगम है और तीनो में अलग-अलग पार्टियों के महापौर है. सतना एवं सिंगरौली में महापौर एवं कमिश्नर आमने-सामने है. आपसी टकराव खुलकर सामने आ गया है. सतना में टकराव पर्दे के पीछे चल रह था लेकिन कमिश्नर को हटाने के लिये महापौर योगेश ताम्रकार द्वारा ज्ञापन दिये जाने के बाद यह टकराव सार्वजनिक हो गया. दरअसल विकास कार्यो को लेकर महापौर व कमिश्नर कई बार आमने-सामने आ चुके है. कुछ ऐसा ही हाल सिंगरौली का है. महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल और नगर निगम कमिश्नर के बीच लड़ाई समय-समय पर सामने आती रही है. हाल ही में परिषद की बैठक के दौरान कमिश्नर सविता प्रधान ने सीधे तौर पर महापौर पर फाइले रोकने का आरोप लगाते हुए आईना दिखाया. इसके बाद महापौर तिलमिला उठी. दोनो के बीच यह लड़ाई अब खुलकर सामने आ चुकी है. दोनो निकायो में जिस तरह से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है उससे शहर का विकास प्रभावित हो रहा है. रीवा में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के महापौर अजय मिश्र बाबा है लेकिन यहा विकास के मुद्दो पर अधिकारियों के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रहे है. अभी तक कोई लड़ाई सामने नही आई है. तीनों निकायो में प्रशासनिक अमले और जनप्रतिनिधियों के बीच आपसी तालमेल बनाकर शहर के विकास को गति देने की जरूरत है. फाइले रोकने और एक दूसरे पर कीचड़ उछालने से केवल नुकसान शहर और जनता का होगा. जनप्रतिनिधियों पर ही जवाबदेही तय होगी.

विधायक पर आरोप से खलबली

रीवा जिले की मनगवां विधानसभा क्षेत्र की राजनीति की गाड़ी पटरी पर नही चल रही है. यहा से भाजपा विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति हमेशा सुर्खियो में रहते है. विवाद उनका पीछा नही छोड़ रहा है, ऐसा लग रहा है कि गृह दशा ठीक नही चल रही है. अब उनकी ही पार्टी की नगर परिषद मनगवां की महिला अध्यक्ष श्रीमती बुटला बंसल ने पैसे की मांग का सनसनी खेज आरोप लगाया है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारे में खलबली मच गई है. बकायदे भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री से लिखित शिकायत भी की है, संगठन में हुई शिकायत से सियासी पारा चढ़ गया है. उधर विधायक ने तमाम आरोपो को निराधार बताते हुए कहा पार्टी फोरम में बात आएगी तो वह तथ्यपरक जवाब देगे. फिलहाल भाजपा के अंदर घमासान मचा हुआ है. अनुशासन की बेडियां तोड़ कर सभी अपनी-अपनी चाल चल रहे है. फिलहाल भाजपा में आज कल जो चल रहा है वह पार्टी की सेहत के लिये ठीक नही है.

जब आमने-सामने आ गए कार्यकर्ता

भाजपा और कांग्रेस की लड़ाई अब सडको तक पहुंच गई है, सियासी विवाद नही थम रहा. कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन रीवा में भी देखने को मिला. कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने पहुंचे भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उस समय आमने-सामने आ गये जब कांग्रेस कार्यालय के सामने पहुंचे. दोनो तरफ से तीखी नारेबाजी हुई लेकिन विवाद होते-होते बच गया. पुलिस ने बैरीकेट्स लगाकर कांग्रेस कार्यालय को घेर रखा था. दोनो तरफ कार्यकर्ता आक्रोशित मुद्रा में थे, अगर पुलिस समझदारी न दिखाती तो इंदौर जैसी अप्रिय हिंसक स्थित यहां भी बन सकती थी. हालाकि दोनो पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धैर्य और संयम का परिचय देते हुए लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया.

पंजाब में इतने एनकाउंटर कैसे?

लगता है कि संदिग्ध तत्वों को पकड़ने के बाद वह उनके खिलाफ सबूत जुटाने और अपराध की कड़ी खोजने में नाकाम रहती है. पुलिस पर कानून हाथ में लेने व मानवाधिकार का उल्लंघन करने के आरोप लगाए जा रहे हैं. एन्काउंटर फर्जी होने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है.

पंजाब में 3 माह में 34 एन्काउंटर हुए हैं जिनमें से 11 पुलिस हिरासत में हुए. इससे 2022 में सत्तारूढ़ हुई आम आदमी पार्टी सरकार संदेह के घेरे में आ गई है. 2 माह पहले पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एक कबड्डी खिलाड़ी की सार्वजनिक रूप से हत्या को गंभीरता से लिया था और पुलिस महासंचालक से कैफियत मांगी थी कि स्टेडियम में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किए गए थे? पंजाब में कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बढ़ गई है. सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश नहीं लग पाया है फिर भी सरकार नशामुक्ति का दावा करती है. अपराधी गिरोहों तथा अलगाववादियों के बीच संभावित साठगांठ के संकेत भी मिले हैं. इससे निपटने के नाम पर एन्काउंटर बढ़ गए हैं. हाल ही में नशे पर रोक संबंधी एनडीपीएस कानून के एक अभियुक्त को मोहाली में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर गोलियों से भून दिया गया. पंजाब सरकार का 'युद्ध नशे विरुद्ध' अभियान कोई असर पैदा नहीं कर पा रहा है. इसी तरह संगठित अपराधी गिरोहों के खिलाफ 'गैंगस्टारान ते वार' अभियान भी वांछित परिणाम नहीं दे पा रहा. हिरासत में एन्काउंटर की घटनाओं के पीछे पुलिस की हताशा दिखाई देती है. लगता है कि संदिग्ध तत्वों को पकड़ने के बाद वह उनके खिलाफ सबूत जुटाने और अपराध की कड़ी खोजने में नाकाम रहती है. पुलिस पर कानून हाथ में लेने व मानवाधिकार का उल्लंघन करने के आरोप लगाए जा रहे हैं. एन्काउंटर फर्जी होने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है. अपराध के बड़े सरगनाओं तक पुलिस नहीं पहुंच पाती लेकिन छुटभैयों को निशाना बनाती है. जनता की राय है कि आरोपी को सबूतों सहित अदालत में पेश करने की पुलिस पर जिम्मेदारी है लेकिन ऐसा न करते हुए मुठभेड़ों के जरिए वह अपराध से निपटने का शार्टकट अपना रही है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

डोनाल्ड ट्रंप ने की थी शरारत ओबामा को बताया था बंदर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा अब तक इस बात को लेकर नाराज हैं कि 2000 के अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें बंदर जैसा दिखानेवाला वीडियो जारी किया था. उस वीडियो में बंदरों के शरीर पर ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के चेहरे लगा दिए गए थे. यह बात अलग है कि उस राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडेन ने ट्रंप को हरा दिया था. चुनाव नतीजा अपने खिलाफ जाने से ट्रंप चिढ़ गए थे और उनके समर्थकों ने वाशिंगटन की कैपिटल बिल्डिंग के सामने उपद्रव मचाया था. ओबामा ने अपने अपमान को याद करते हुए कहा कि अमेरिका के अधिकांश लोगों को ट्रंप का ऐसा बर्ताव अपमानजनक और व्यथित करनेवाला लगा. किसी पूर्व राष्ट्रपति के चेहरे को बंदर की शक्ल से सुपरइम्पोज करना अत्यंत अशालीन व दुष्टतापूर्ण कार्य है.'

हमने कहा, 'ओबामा के बारे में कहा जाता था कि वह हनुमानजी की आकृतिवाला लॉकेट गले में पहना करते थे.

यदि वह ईसाई रहने के बावजूद सचमुच हनुमान भक्त हैं तो उन्हें इस वीडियो से नाराज नहीं होना चाहिए. भगवान राम ने वानर और भालुओं की सेना से ही रावण को हराया था. हनुमानजी ने समुद्र लांघ कर सीता का पता लगाया था और अशोक वाटिका को नष्ट कर दिया था. पूंछ में आग लगाए जाने पर उन्होंने लघु रूप लेकर उसी आग से लंका को जला डाला था. लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए वह सूर्योदय होने के पूर्व हिमालय से संजीवनी बूटी ले गए थे. जब अहिरावण राम-लक्ष्मण को पाताल ताल ले गया था तो हनुमान ने अहिरावण को मारकर राम-लक्ष्मण को वहां से अपने कंधे पर बिठाकर लाने का पराक्रम किया था. ओबामा को इस बात का बुरा नहीं मानना चाहिए कि ट्रंप ने उन्हें बंदर की शक्ल में दिखाया. वह चाहें तो ट्रंप को बनमानुष या गोरिल्ला कह सकते है.

ओबामा इस वीडियो को इंसल्ट नहीं बल्कि काम्प्लीमेंट की तरह लें. वह चाहें तो हनुमान चालीसा पढ़ना शुरू कर दें और अगले 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी के किसी उम्मीदवार को जिताने की तैयारी में लग जाएं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12178 -डॉ.सागर खादीवाला

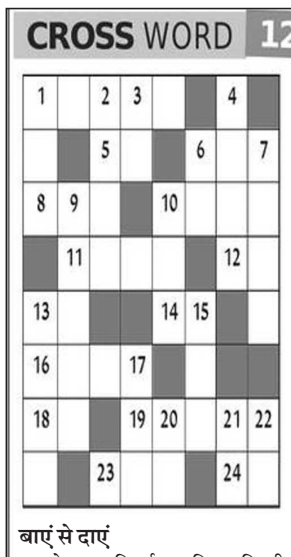

बाएं से दाएं
1. बेकार, निरर्थक, बिना किसी प्रयोजन के 5. ईश्वर, परमेश्वर (उर्दू) 6. संसार, प्राणी मात्र, जीवधारी (उर्दू) 8. रक्षा करने वाला, पहरेदार 10. अपने संबंध में स्वयं की कही हुई बातें 11. शुभागम, पदार्पण, प्रतिष्ठा, इज्जत, महत्व (उर्दू) 12. तंदूर में पकाई जाने वाली एक प्रकार की मोटी खमीरी रोटी 13. सूर्य 14. और, व 16. भरत के पुत्र तक्ष की राजधानी का नाम जो रावलपिंडी (पाकिस्तान के अंतर्गत) के पास था 18. प्रशंसा, स्तुति गीत (उर्दू) 19. सिनेमा नाटक आदि में दुष्ट चरित्र निभाने वाला पात्र 23. चारों तरफ खड़ी की गई कपड़ू की दीवार (उर्दू) 24.

ऊपर से नीचे
1. जो किसी बात से बहुत तंग आ गया हो (उर्दू) 2. तीर रखने का चोंगा, तूणीर 3. होंठ (उर्दू) 4. किलकारी मारना 6. समाप्त 7. छोटी कथा, कथावस्तु 9. लहूलुहान 10 विपत्ति, आपत्ति 13. कुछ लाल, सुर्खी लिए हुए 15. रोकना, गिरने न देना 17. लाख का लेप लगाना, समझ लेना 20. बुरी आदत (उर्दू) 21. अगर, जो 22. मशीन, पुर्जा,

Solution 12177

अ	ग	र	■	म	न	न	■
च	र	म	■	दा	ग	दा	र
ल	ल	ना	■	र	■	र	त
■	■	■	ता	■	गो	द	ना
सि	ला	■	बे	दि	ल	■	रा
या	■	अ	■	वा	मा	■	■
स	न	द	■	क	ल	दा	र
त	र	ब	त	र	■	दा	वा

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसायिक कार्यों में परिश्रम अधिक करना पडेगा. व्यय और संतान की चिन्ता से मन अशांत रहेगा. वाणी में कठोरता तथा प्रियजनों के प्रति उदासीनता रहेगी. मान सम्मान के प्रति सचेत रहें. वर्ष के मध्य में सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा. प्रभाव बना रहेगा. राजकीय सम्मान की प्राप्ति का योग है. वर्ष के अन्त में प्रतिष में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग रहेगा. नवीन कार्यो के प्रति रूचि रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग मिलेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों के लिये व्यवसायिक कार्यो में परिश्रम अधिक करना पडेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से लाभ मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को संतान पक्षर की चिन्ता रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखना होगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्ति का योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा हो सकती है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक संकोची, एकांतप्रिय होगा, शिक्षा अच्छी और उत्तम रहेगी, नौकरी में सफलता मिलेगी, जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा, आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध रहेंगें.

उदयकालीन ग्रह चाल

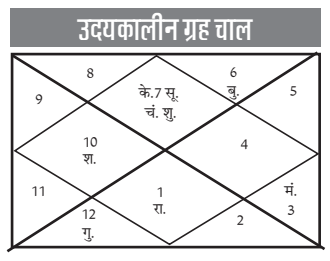

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2082 फल्गुन शुक्ल षष्ठी चन्द्रवासरे दिन 9/26, भरणी नक्षत्रे शाम 4/57, ब्रह्म योगे दिन 10/56, तैतिल करणे सू.उ. 6/19, सू.अ. 5/41, चन्द्रचार मेष रात 10/33 से वृषभ, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

फल्गुन शुक्ल षष्ठी को भरणी नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, जौ, चना, तिल, तेल, मोठ के भाव में मंदी होगी, सरसों, अरंडी, गुड़, शक्कर के भाव में घट-बढ़ रहेगी, आज 11 बजकर 10 मिनिट से 15 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 7033 है.

मेष- भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, कारोबारी यात्रा का योग है, आय में वृद्धि होगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

वृषभ- व्यापारिक कार्यों में संभल कर फैसला लें, लाभ मिलगा, स्थाई एवं अन्य साधनों में सफलता मिलेगी, विशिष्टजनों से संपर्क बढ़ेगा, शारीरिक पीड़ा हो सकती है.

मिथुन- पुरानी बातों को भूलकर काम पर ध्यान दें, सफलता मिलेगी, आजीविका के प्रयासों में सफलता. राजकीय सहयोग, कार्य की अधिकता रहेगी.

कर्क- रोजगार में इच्छित अवसरों की तलाश रहेगी, पारिवारिक आयोजन में शामिल होंगे, स्वास्थ्य लाभ होगा, धार्मिक कार्यों से मानसिक संतुष्टि रहेगी.

सिंह- राजकीय मामले सुलझेंगे, पूरे मनोयोग से काम करेंगे, खानपान की अनियमितता रहेगी, श्रम से अधिक कार्य करना होगा, सोचे कार्यों में विलम्ब होगा.

कन्या- विपरीत माहौल में समझौता करना हितकर रहेगा, कर्ज से छुटकारा होगा, व्यवहार कुशलता एवं कर्मठता से कार्य पूर्ण होगा, निर्णय पक्षधर ही रहेगा.

तुला- दौड़धूप के अच्छे परिणाम मिलेंगे, धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगी, यात्रा सुखद और अच्छी रहगी, विवादों का समाधान होगा, पारिवारिक कार्यों में रूचि रहेगी.

वृश्चिक- झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ सकते हैं, जल्दबाजी में गलती कर लेगें, वाणीं में नियंत्रण रख कार्य करना हितकर रहेगा, मित्र वर्ग आपके संबंधों से संतुष्ट रहेंगे.

धनु- पुराने झगडे सुलझने के आसार हैं, प्रियजन से मुलाकात सुखमय रहेगी, निर्माण कार्यों में रूचि, संतान संबंधी सुखद समाचार प्राप्त होगा.

मकर- लेन देन के मामले सुलझने का योग है, लम्बी दूरी की यात्रा होगी, नवीन योजनाओं का विचार संभव है, व्ययभार अधिक रहेगा.

कुम्भ- परानी बातें भूलकर काम पर ध्यान दें, जिद छोड़कर कार्य करें, नवीन वस्त्राभूषण उपहार आदि की प्राप्ति होगी, अतिथि आगमन होगा.

मीन- सहकर्मी भ्रमित करने का प्रयास करेंगे, सहयोग की कमी का अनुभव होगा, शारीरिक सुख मिलेगा, शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है, यश मिलेगा.

SUDOKU 7310

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7309

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7